

हरियाणा राज भवन

दिनांक 10 मार्च, 2000

गुरु जम्बेश्वर विश्वविद्यालय अधिनियम, 1995 की अनुसूची की संविधि 12 (II) (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, कुलाधिपति, गुरु जम्बेश्वर विश्वविद्यालय, हिसार निम्नलिखित व्यवितयों को तत्काल प्रभाव से 2 वर्ष के लिए कथित विश्वविद्यालय की वित्त समिति में सहर्ष बतौर सदस्य भनोनीत करते हैं :—

1. डा० एम० जाफर आलम, पूर्व अध्यक्ष, रेलवे मर्टी बोर्ड, माहिन्द्राघाट, पटना।
2. श्री जे० वी० मिश्रा, वित्त प्रबन्ध, जिन्दल इण्डस्ट्रीज, हिसार।

गुरु जम्बेश्वर विश्वविद्यालय अधिनियम, 1995 की अनुसूची की संविधि 6 (ख) (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, कुलाधिपति, गुरु जम्बेश्वर विश्वविद्यालय, हिसार निम्नलिखित व्यवितयों को तत्काल प्रभाव से 2 वर्ष के लिए कथित विश्वविद्यालय की संसद में सहर्ष बतौर सदस्य भनोनीत करते हैं :—

1. कुलपति, पंजाब विश्वविद्यालय, चण्डीगढ़।
2. प्रोफेसर आर० एस० उपाध्याय, सेंटर आफ एडवांस स्टडीज इन वाटनी, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी।
3. श्री विमल पाण्डे, कम्प्यूटर इंजीनियर, टाटा कन्सलटेंसी सर्विसेज, तुलसी गंगा काम्पलैक्स, 19-सी, विधान सभा मार्ग, लखनऊ।
4. प्रो० आर० एस० निरजार, सदस्य सचिव, ए० आई० सी० टी० ई०, इन्द्रिरा गांधी स्पोर्ट्स काम्पलैक्स, साउथ कैम्पस, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली।
5. डा० आर० सी० कुहाड़, प्रोफेसर, डिपार्टमेंट आफ माइक्रोबायोलोजी एण्ड बायोटेक्नोलाजी, साउथ कैम्पस, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली।

गुरु जम्बेश्वर विश्वविद्यालय अधिनियम, 1995 की अनुसूची की संविधि 8 (II) (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, कुलाधिपति, गुरु जम्बेश्वर विश्वविद्यालय, हिसार निम्नलिखित व्यवितयों को तत्काल प्रभाव से 2 वर्ष के लिए कथित विश्वविद्यालय की कार्यकारिणी परिषद् में सहर्ष बतौर सदस्य भनोनीत करते हैं :—

1. प्रोफेसर आर० एस० उपाध्याय, सेंटर आफ एडवांस स्टडीज इन वाटनी, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी।
2. डा० जम्स जैकब, उप निदेशक, भारतीय रबड़ अनुसन्धान संस्थान, कोटायम, केरल।
3. प्रो० आर० एस० निरजार, सदस्य सचिव, ए० आई० सी० टी० ई०, इन्द्रिरा गांधी स्पोर्ट्स काम्पलैक्स, साउथ कैम्पस, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली।
4. डा० आर० सी० कुहाड़, प्रोफेसर, डिपार्टमेंट आफ माइक्रोबायोलोजी एण्ड बायोटेक्नोलाजी, साउथ कैम्पस, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली।
5. डा० एम० जाफर आलम, अध्यक्ष (सेवा निवृत्त), रेलवे मर्टी बोर्ड, पटना।
6. श्री मोती लाल खन्ना, एडवोकेट, डी-५९/१०३, बयू-६, सिंग्रा, वाराणसी।

गुरु जम्बेश्वर विश्वविद्यालय अधिनियम, 1995 की अनुसूची की संविधा 10 (II) (V) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, कुलाधिपति, गुरु जम्बेश्वर विश्वविद्यालय, हिसार निम्नलिखित व्यवितयों को तत्काल प्रभाव से 2 वर्ष के लिए कथित विश्वविद्यालय की शैक्षणिक परिषद् में सहर्ष बतौर सदस्य भनोनीत करते हैं :—

1. प्रबन्धक निदेशक, हारद्रोन, चण्डीगढ़।

2. ढा० सुरेश कुमार, निदेशक, एन० आई० आई० डी०, कम्यटर सेटर, 407, डिफेंस कालोनी, हिसार।
3. ढा० जेम्स जैकब, उप निदेशक, मार्केटिंग बबर अनुसंधान संशोधन, कोटायम, केरल।
4. प्रो० आर० एस० उपाध्याय, सेटर आफ एडवांस स्टडीज इन बाटनी, बनोरस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी।

दिनांक, चण्डीगढ़
10 मार्च, 2000



माणिक सोनवणे,

राज्यपाल हरियाणा एवं कुलाधिपति,
गुरु जगमेश्वर विश्वविद्यालय के सचिव।

राजस्व विभाग

युद्ध जागीर

[दिनांक 24/31 दिसम्बर, 1999

क्रमांक 1758-ज-2-99/14750 :— श्री टेक राम पुत्र श्री रणजीत सिंह, मकान नं० 539/7, अवैन अस्टेट, गुडगांव तहसील व जिला गुडगांव थो पूर्वी पंजाब युद्ध पुरुषकार अधिनियम, 1948 की धारा 2(ए) (1ए) तथा 3(1ए) के अधीन सरकार की अधिसूचना क्रमांक 1763-ज-2-80/38008, दिनांक 28 अक्टूबर, 1980 द्वारा 300 रुपये वार्षिक की दर से जागीर मंजूर की गई थी।

2. अब श्री टेक राम, मकान नं. 539/7, अवैन अस्टेट गुडगांव की दिनांक 26 जनवरी, 1998 को हुई मृत्यु के परिणाम स्वरूप हरियाणा के राज्यपाल, उपरोक्त अधिनियम जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है की धारा 4 के अधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए, इस जागीर को श्री टेक राम की विधवा श्रीमति शान्ति देवी के नाम रखी, 1996 से 1000 रुपये वार्षिक की दर से सनद में दी गई शर्तों के अन्तर्गत तबदील करते हैं।

दिनांक 3/6 जनवरी, 2000

क्रमांक 1903-ज-2-99/38.— श्री श्योताज पुत्र श्री भवराज, निवासी गांव नाहड, तहसील कोकनी, जिला रेवाड़ी को पूर्वी पंजाब युद्ध पुरुषकार अधिनियम, 1948 की धारा 2(ए) 1(ए), तथा 3(1ए) के अधीन सरकार द्वारा [अधिसूचना क्रमांक 43-ज-1-83/4436, दिनांक 8 फरवरी 1983 द्वारा] 150 रुपये वार्षिक और उसके बाद अधिसूचना क्रमांक 1789-ज-1-79/44040, दिनांक 30 अक्टूबर 1979 द्वारा 300 रुपये और बाद में अधिसूचना क्रमांक 2944-ज-2-93/15918, दिनांक 26 अगस्त 1993 द्वारा] 1000 रुपये वार्षिक की दर से जागीर मंजूर की गई थी।

2. अब श्री श्योताज की दिनांक 14 मार्च, 1999 को हुई मृत्यु के परिणाम स्वरूप हरियाणा के राज्यपाल,* उपरोक्त अधिनियम (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 के अधीन प्रदान की गई शक्तियों द्वा अप्रयोग करते हुए, इस जागीर को श्री श्योताज देवी के नाम रखी, 1999 से 1000 रुपये वार्षिक की दर से सनद में दी गई शर्तों के अन्तर्गत तबदील करते हैं।

[दिनांक 2105-ज-2-66/12.— श्री सोहन लाल पुत्र श्री गमू, निवासी गांव हालवायर, तहसील व जिला महेन्द्रगढ़ को पूर्वी पंजाब पुरुषकार अधिनियम 1948 की धारा 2(ए) (1ए) तथा 3(1ए) के अधीन सरकार की अधिसूचना क्रमांक 1475-ज-1-74/30664 दिनांक 16 सितम्बर [1974], तथा 1789-ज-1-79/44040, दिनांक 30 अक्टूबर 1979 और उसके बाद में अधिसूचना क्रमांक 2944-ज-2/15918, दिनांक 28 अगस्त 1993 द्वारा 1000 रुपये वार्षिक की दर से जागीर मंजूर की गई थी।

2. अब श्री सोहन लाल की दिनांक 5 अक्टूबर 1998 को हुई मृत्यु के परिणाम स्वरूप हरियाणा के राज्यपाल, उपरोक्त अधिनियम (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 के अधीन प्रदान की गई शक्तियों द्वा अप्रयोग करते हुए, इस जागीर को श्री सोहन लाल की पत्नी श्रीमति चंदिया देवी के नाम रखी, 1999 से 1000 रुपये वार्षिक की दर से सनद में दी गई शर्तों के अन्तर्गत तबदील करते हैं।

(हस्ता.) . . . ,

अवर सचिव, हरियाणा सरकार,
राजस्व विभाग।